विश्व हिन्दी दिवस
२० सितंबर २०२१
स्टॉकहोम

टिप्पणियाँ
भारतीय राजदूत तन्मय लाल

- नमस्कार
- भारतीय राजदूतावास में एक बार फिर आप सभी का स्वागत है ।

- मैं विशेष रूप से प्रोफेसर वैस्लर का आभारी हूँ , जिन्होंने हमारा निमंत्रण स्वीकार किया और उप्पसाला से आज हमारे बीच यहाँ उपस्थित हुए हैं । उनका विशेष स्वागत है । और साथ ही उनके छात्रों का भी , जो समय निकाल कर आज यहाँ आए हैं ।

- भाषा संस्कृति की एक पहचान होती है । उसका एक अभिन्न अंग होती है । किसी भी संस्कृति या समुदाय को समझने के लिए उसकी भाषा को जानना अत्यंत आवश्यक है ।

- जैसा कि आप सब जानते ही हैं हिन्दी भारत की प्रमुख भाषाओं में एक है । भारत के काफ़ी संख्या में लोग हिन्दी बोलना जानते हैं । भारत के बाहर अनेक अन्य देशों में जहाँ लगभग ३० मिलियन भारतीय लोग पिछली सदियों से और दशकों में बसे हैं, उनमें भी बहुत संख्या में हिन्दी भाषी हैं ।

- स्वीडन से पहले मैं मॉरीशस में पोस्टेड था । वहाँ भारतीय मूल के लोग लगभग ७०% हैं । इनमें अधिकतर एक शताब्दी से पहले भारत से लाए गए । वे लोग भारत के विभिन्न कोनों से लाए गए । और वे अनेक भाषाएँ बोलते थे जैसे भोजपुरी, हिन्दी, तमिल, मराठी, गुजराती, तेलुगु आदि ।

- इस तेज़ी से बदलते दौर में वहाँ नई पीढ़ी को बुजुर्ग लोग अक्सर बताते हैं कि भाषा गई तो संस्कृति गई।

- वैश्वीकरण के इस दौर में आज भारतीय मूल के लोग लगभग हर देश में रहते हैं और काम करते हैं । इनमें से कई परिवार अपने बच्चों को उनकी मातृभाषा सिखाना चाहते हैं । बॉलीवुड फ़िल्में और हिंदी में टीवी कार्यक्रम आज दुनिया भर में देखे जा सकते हैं ।

- हिन्दी का एक समृद्ध साहित्य रहा है । आज भी हिन्दी में बहुत रचनाएं लिखी और प्रकाशित की जा रही हैं । भारत के बाहर भी हिन्दी भाषा में अच्छा कार्य चल रहा है ।

- संयुक्त राष्ट्र संघ अब हिन्दी में भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कार्यरत है ।

- हिन्दी में वाणिज्य और विज्ञान और प्रौद्योगिकी में अभी और कार्य की आवश्यकता है । हिन्दी के रचनाकारों को विश्व पटल पर ले जाने के लिए हिन्दी रचनाओं का अँग्रेज़ी और फ्रेंच जैसी भाषाओं में अनुवाद का काम भी

सहायता कर सकता है । भारत में बड़ी कंपनियों को हिन्दी और अन्य भारतीय भाषाओं का ज्ञान उनके काम में मददगार पाया जाएगा ।

- अनेक यूरोपीय देशों में Indology की लंबी ट्रडिशन रही है । और हिन्दी सिखाने का कार्य विश्व भर में कई उनिवर्सिटीज़ में चल रहा है ।

- यहाँ स्वीडन में उप्पसला में लगभग २०० साल पहले संस्कृत पढ़ाने का कार्यक्रम शुरू हुआ । .. प्रोफ़ेसर टूलबर्ग ..

- आज उप्पसला से हिन्दी के इतने छात्रों की यहाँ उपस्थिति प्रसन्नता का अवसर है ।

- पिछले दिनों इस दूतावास ने एक हिन्दी निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया । इसमें भाग लेने के लिए चार श्रेणियाँ बनाई गईं । चार विषय चुने गए जिनमें / मेरी भारत यात्रा, मेरा प्रिय शहर, स्वीडन में मेरा जीवन और भारत और वैश्विक चुनौतियाँ शामिल किए गए ।

- हम धन्यवाद देना चाहेंगे प्रोफ़ेसर वेसलर का, इस प्रक्रिया में उनके मार्गदर्शन के लिए ।

- इस प्रतियोगिता में कई लोगों ने भाग लिया । हम उन सभी को उनके प्रयास और उत्साह के लिए धन्यवाद देते हैं । आशा करते हैं कि हिन्दी में आपकी रुचि बनी रहेगी । और इस संपर्क को हम और गहरा बनाने में कार्य करते रहेंगे ।

- हम उत्सुक हैं प्रोफेसर वेसलर से इस अवसर पर उनके विचार सुनने के लिए ।